Need to set up fast track courts for disposal of cyber-crimes-Laid

श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन (गोरखपुर) : मैं सरकार का ध्यान भारत में बढ़ते साइबर अपराध की तरफ आकर्षित कराना चाहता हूँ। बढ़ते साइबर अपराध से न केवल व्यक्तिगत आर्थिक क्षति और चारित्रिक हनन किया जा रहा है अपितु देश की संप्रभुता, गोपनीयता, आर्थिक और सामाजिक स्थिरता पर भी खतरा मंडराने लगा है।

आजकल साइबर अपराध का एक प्रमुख रूप है डिजिटली अरेस्ट किया जाना। साइबर अपराध के शिकार हर वर्ग, महिला पुरुष, अमीर गरीब, शिक्षित अशिक्षित, यहां तक कि साइबर एक्सपर्ट भी हो रहे हैं। इस से व्यक्तियों को न केवल बहुत बड़ी वित्तीय क्षति हो रही है बल्कि उन्हें मानसिक प्रताड़ना भी झेलनी पड़ रही है। साइबर अपराध करने वालों को वैसे तो हमारे यहां भारतीय साइबर अपराध अधिनियम 2000 के अंतर्गत सजा दी जाती है, जिसमें अधिकतम 10 साल तक की कैद और 10 लाख रुपए तक का जुर्माना है। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी के अधिनियम 2008 के अंतर्गत भी सजा और जुर्माना दोनों का प्रावधान है। कानूनी प्रावधान होने के बावजूद इन अपराधों पर तो कोई रोक लगाई जा पा रही है और ही अपराधियों को कठोर दंड दिया जा पा रहा है और लोगों को उनकी गाढ़ी कमाई भी वापस नहीं मिल पा रही है।

खास बात यह है कि इन कानूनों में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई शब्द है ही नहीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए हमारी सरकार ने साइबर अपराध की सूचना देने के लिए टोल फ्री नंबर 1930 जारी कर रखा है और *चक्षु पोर्टल* के माध्यम से भी शिकायत दर्ज करने की व्यवस्था की है साथ ही कोई भी फोन नंबर डायल करने पर उपभोक्ताओं को जागरूक और सावधान करने का सन्देश भी सुनाई देता है। परन्तु किन्हीं कारणों से ये सारे कदम उतने प्रभावशाली नहीं हो पा रहे हैं। इन बातों को दृष्टिगत रखते हुए समय की आवश्यकता है कि समस्त सदन और सरकार इस पर गहन विचार करे, जो मौजूदा कानून हैं उनमें संशोधन करके उन्हें और कठोर तथा प्रभावी बनाए और यदि उनसे भी इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती तो साइबर अपराध के लिए एक नया विशिष्ट कानून बनाया जाए।

मेरा एक अन्य सुझाव है कि जिस तरह से SC-ST कोर्ट, MP-MLA आदि कोर्ट बनाए गए हैं उसी तरह से साइबर अपराध के लिए विशिष्ट फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाया जाए और निश्चित समयावधि में केस का निस्तारण किया जाए, क्योंकि साइबर अपराध में जैसे जैसे समय बीतता जाता है उपलब्ध साक्ष्य नष्ट हो जाते हैं।